वेद-वार्ता

महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान उज्जैन की पत्रिका

News letter of Maharshi-Sandipani-Rashtriya-Vedavidya-Pratisthana,Ujjain

विक्रम संवत् 2075 | अप्रैल 2016 से अगस्त 2018 तक | संयुक्तांक | कुल पृष्ठ संख्या – 16

समाचार संकेतिका

- साचिव्यम् पृष्ठ-1
- अनुसन्धान केन्द्र प्रशिक्षण केन्द्र सम्बद्ध विश्व विद्यालय पृष्ठ-2
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पृष्ठ-3
- विराट् गुरूकुल सम्मेलन पृष्ठ4-5
- पुरस्कार विवरण समितियों का गठन कार्यक्रमों की सूची पृष्ठ-6
- वेदवेदाङ्ग कार्यशाला वैदिक टेप रिकार्डिंग यज्ञ पात्र परिचय पृष्ठ-7
- उज्जैन वेद सम्मेलन पृष्ठ-8
- मानदेय वृद्धि महर्षि वेद व्यास प्रतिमा वेदविद्वज्जन परिचय-कोश पृष्ठ-9
- सम्पन्न कार्यक्रमों की सूची पृष्ठ-10-11
- आगामी कार्यक्रम पृष्ठ-11-12
- विभिन्न योजनाएँ पृष्ठ-12 महत्वपूर्ण सूचना
- प्रतिष्ठान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की चित्रमय झलकियाँ पृष्ठ-13-14
- स्थापना दिवस कार्यक्रम पृष्ठ-15 वैदिक सम्मेलन सम्पन्न श्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु राजभाषा पुरस्कार
- भावी दृष्टि-पथ पृष्ठ-16

साचिव्यम्

आ ब्रह्मन् ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चसी जायतामा राष्ट्रे राजन्युः शूर इषव्योऽतिव्याधी महारथो जायतां दोग्ध्री धेनुर्वोढानड्वानाशुः सप्तिः पुरन्धिर्योषा जिष्णू रथेष्ठाः सभेयो युवास्य यजमानस्य वीरो जायतां निकामे-निकामे नः पर्जन्यो वर्षतु फलवत्यो न ओषधयः पच्यन्तां योगक्षेमो नः कल्पताम्१ ॥ 22 ॥ – (शु.य.मा.शा. अध्याय 22/22)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) विगत 31 वर्षों से वैदिक वाङ्मय के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से उल्लेखनीय कार्य कर रहा है । जिन परियोजनाओं की परिकल्पना नहीं थी; उन्हें प्रतिष्ठान की विविध समितियों से स्वीकृत कराकर मूर्त-रूप प्रदान किया जा रहा है । सम्प्रति प्रतिष्ठान कार्यालय एवं पूर्णकालिक पाठशालाओं तथा गुरु-शिष्य परम्परा की इकाइयों में विभिन्न प्रकार के नियमों के अन्तर्गत अनुशासन एवम् अध्ययन-अध्यापन की परम्परा को सुदृढ़ करने की दृष्टि से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हो रही है। इसी क्रम में भारत सरकार राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय की ओर से मध्य क्षेत्र के अन्तर्गत क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार राजभाषा हिन्दी में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु वेदविद्या प्रतिष्ठान को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतिष्ठान की महासभा द्वारा अनुमोदित वेद के मूल मन्त्रों को राज्य की भिन्न–भिन्न भाषाओं में अनुवादित वेद के प्रचार–प्रसार हेतु संकल्पित है । वेदविद्या प्रतिष्ठान के क्रियाकलापों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में वेबसाइट पर सम्पूर्ण गतिविधियों की जानकारी दी जाती है। एक प्रकल्प के रूप में प्रतिष्ठान के परिसर में ही सभी वेद-शाखाओं की संरक्षण-परियोजना के माध्यम से राष्ट्रीय आदर्श वेदपाठशाला का सञ्चालन प्रतिष्ठान के मुख्यालय परिसर में स्थित 'ऐतरेय भवन' में भारतसरकार की स्वीकृति से किया जा रहा है । इसमें ऋग्वेद की शाकल, शुक्लयजुर्वेद की माध्यन्दिन एवं काण्व, कृष्णयजुर्वेद की तैत्तिरीय तथा हिरण्यकेशीय, सामवेद की कौथुम, राणायनीय तथा जैमिनि, अथर्ववेद की शौनक तथा पैप्पलादशाखाओं का सविधि विकृतिपाठ सहित स्वाध्याय को मूर्त रूप दिया जायेगा।

उपर्युक्त वेदों की शाखाओं की संहिताओं के अध्ययन के साथ ही साथ ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् तथा वेदाङ्ग के अन्तर्गत – 1. शिक्षा, 2. कल्प, 3. निरुक्त, 4. छन्द, 5. ज्योतिष और 6. व्याकरण आदि का वैज्ञानिक विवेचनपूर्वक आधुनिक विषयों सङ्गणक (कम्प्यूटर), अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान एवम् आधुनिक विज्ञान का भी सम्यग् अध्ययन कराया जायेगा जिससे भारत के विधि द्वारा स्थापित संस्कृत-विश्वविद्यालयों में स्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु वेदविभूषण उपाधि प्राप्त प्रतिष्ठान के छात्र पात्र होंगे। सर्वाङ्गीण व्यक्तित्व विकास में उपर्युक्त शिक्षण प्रक्रिया के माध्यम से सम्पादित हो सकेगा।

प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्
(सचिव)

अनुसन्धान केन्द्र

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा चारों वेदों तथा उनके वेदाङ्गों के गूढ़तम रहस्यों को उद्घाटित करने के लिये अनुसन्धान केन्द्र की स्थापना की गयी है। इसमें वेदचतुष्टयी के मन्त्रसंहिता, ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषदादि में प्रतिपादित दिव्य ज्ञान से जनसामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से वैदिक वाङ्मय के विशेषज्ञ वेदमूर्तियों के मार्गदर्शन में शोधकर्त्ता अनुसन्धान को सम्पादित करेंगे। वैदिक पाण्डुलिपि का अनुवाद आदि कार्य इस केन्द्र से होगा। प्रतिष्ठान आन्तरिक एतदर्थ वित्तीय वर्ष 2018-19 में व्यवस्था करेगा।

प्रशिक्षण केन्द्र

प्रतिष्ठान द्वारा जहाँ एक ओर अनुसन्धान केन्द्र संचालित है वहीं वैदिक शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि करने हेतु उनके लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है। इसके अन्तर्गत प्रशिक्षण केन्द्र में आमन्त्रित विशेषज्ञ वैदिक विद्वान् प्रत्यक्ष विधि से व्याख्यान आदि के द्वारा चयनित वैदिक शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करेंगे जिससे वैदिक बटुकों को सुगमतापूर्वक गम्भीर ज्ञान प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो और उनकी अध्ययन-अध्यापन की क्षमता का विकास हो। वैदिक पाण्डुलिपि का प्रकाशन, वैदिक पाठ्य सामग्री का विकास आदि होंगे।

भारतवर्ष के अधोलिखित विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों ने प्रतिष्ठान की वेद-भूषण को कक्षा 10वीं तथा वेद-विभूषण को 12वीं कक्षा के समकक्ष मान्यता प्रदान करके वेदविभूषण को स्नातक (शास्त्री) कक्षा में प्रवेश की योग्यता प्रदान की है।

1. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली
2. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति (आ.प्र.)
3. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आ.प्र.)
4. कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु (कर्नाटक)
5. जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)
6. श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, कांचीपुरम् (तमिलनाडु)
7. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक
8. गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
9. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
10. सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ (गुजरात)
11. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (ओडिशा)
12. श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
13. कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक (महाराष्ट्र)
14. गुरू नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर (पंजाब)
15. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)

- अध्यक्ष : श्री प्रकाश जावडेकर
  माननीय केन्द्रीय मन्त्री – महोदय
  मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार
- उपाध्यक्ष : प्रो. रवीन्द्र अम्बादास मुळे
  माननीय उपाध्यक्ष
  महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान
- प्रधान-सम्पादक : प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्
  सचिव
- सम्पादक : आचार्यः डॉ. सदानन्द त्रिपाठी
- तकनीकी सहयोग : अर्पित पुरोहित
  श्रीमती मिताली रत्नपारखी

प्रकाशक : महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
दूरभाष : (0734) 2502266, 2502254, 2502255, फैक्स : (0734) 2502253
E-mail : msrvvpujn@gmail.com, website - www.msrvvp.ac.in

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय

प्रतिष्ठान सम्पूर्ण भारतवर्ष में सनातन आर्ष वैदिक पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्द्धन की दृष्टि से 93 पाठशालाएँ तथा 256 गुरू शिष्य परम्परा इकाइयों में वेद शिक्षण केन्द्र संचालित कर रहा है। वेदों के संरक्षण-संवर्धन हेतु मुख्यालय में भी वैदिक ज्ञान-विज्ञान का पारम्परिक अध्ययन-अध्यापन समुचित रीति से सम्पादित किया जा रहा है। इसके लिए प्रतिष्ठान परिसर स्थित सर्व सुविधा सम्पन्न 'ऐतरेय भवन' में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का सञ्चालन किया जायेगा। भारत सरकार द्वारा इसकी पूर्ण स्वीकृति प्राप्त हो

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री प्रकाश जावडेकर जी की अध्यक्षता में आयोजित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की दिनांक 12.7.2017 को महासभा एवं दिनांक 24.5.2018 को आयोजित शासी परिषद् की बैठक में प्रतिष्ठान परिसर में वर्ष 2018-19 से राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

दिनांक 14.12.2017 तथा दिनांक 24 मई, 2018 को आयोजित शासी परिषद् की बैठक में प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किये गये नीति दिशानिर्देश का अनुमोदन किया जिसके अनुसार राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पूर्ण रूप से संविदात्मक मॉडल के आधार पर होगा।

वर्ष 2018-19 से प्रारम्भ होने वाले राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के प्रथम वर्ष में वेदभूषण उत्तीर्ण छात्र यानि कि छठवें वर्ष के लिये वेद विभूषण हेतु छात्र योग्यता के आधार पर प्रवेश के पात्र होंगे।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में प्रवेश हेतु फीस अथवा दान अथवा किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं होगा।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पूर्ण रूप से आवासीय विद्यालय रहेगा। छात्रों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था प्रतिष्ठान-परिसर के छात्रावास में पूर्णतः निःशुल्क रहेगी।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में वैदिकसंस्कृति एवं ज्ञान के अनुरूप वास्तविक परम्परागत तथा उच्च अनुशासन का पालन करने वाला जीवन रहेगा। छात्रों को पारम्परिक वेशभूषा में रहना होगा जिसे प्रतिष्ठान द्वारा प्रदान किया जायेगा।

छात्रों को वेद के अतिरिक्त संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामान्य विज्ञान, योग आदि विषयों का भी अध्ययन कराया जायेगा।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में वेद की सभी शाखाओं का अध्ययन होगा। प्रत्येक शाखा के लिये प्रति वर्ष 10 छात्रों को प्रवेश दिया जायेगा जो इस प्रकार है

1.ऋग्वेद शाकल शाखा	**10 छात्र**
2.शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनी शाखा	**10 छात्र**
3.शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा	**10 छात्र**
4.कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा	**10 छात्र**
5.सामवेद कौथुम शाखा	**10 छात्र**
6.सामवेद जैमिनीय शाखा	**10 छात्र**
7.सामवेद राणायनीय शाखा	**10 छात्र**
8.अथर्ववेद शौनक शाखा	**10 छात्र**
9.अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा	**10 छात्र**
कुल	**90 छात्र**

93 पाठशालाएँ जिसमें 365 वेदाध्यापक 112 संस्कृत शिक्षक तथा 166 आधुनिक विषय के शिक्षक अध्यापनरत हैं। इसके अतिरिक्त जनवरी 2016 से अगस्त 2018 के मध्य जिन गुरुशिष्य इकाइयों को वेदपाठशाला में परिवर्तित किया गया है उन पाठशालाओं में संस्कृत तथा आधुनिक विषय के लगभग 44 अध्यापकों के अध्यापन हेतु प्रतिष्ठान की प्राधिकृत समितियों से स्वीकृति लेकर ऐसे अध्यापकों से सेवा लेने हेतु प्रक्रिया की जा रही है। इसी क्रम में वेदपाठशालाओं में जो पूर्व में अध्यापक अध्यापनरत थे तथा निम्नलिखित तीन कारणों से वह स्थान रिक्त हो गये जैसे – अध्यापक का शासकीय सेवा में चले जाना, अध्यापक का शरीरान्त हो जाना तथा पाठशाला/इकाई से अध्यापन त्याग देना इस तरह के प्रकरण से सम्बन्धित प्रतिष्ठान की प्राधिकृत समिति से स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। अतः इन कारणों से लगभग 42 अध्यापकों की सेवा लेने के लिए वर्तमान में प्रक्रिया जारी है।

विराट् गुरुकुल सम्मेलन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन परिसर में दिनांक 28 अप्रैल 2018 से 30 अप्रैल, 2018 तक भारतीय शिक्षा मण्डल, नागपुर के तत्त्वावधान में संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से तीन दिवसीय विराट् गुरुकुल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य गुरुकुल शिक्षा को युगानुकूल रूप में पुनः समाज में प्रस्थापित करना तथा गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना था। मण्डल के प्रस्तावानुसार वर्तमान में अनुमानतः एक सहस्र से अधिक गुरुकुल संचालित हो रहे हैं। उनके संचालकों को एकत्रित कर उनके अनुभवों एवं कठिनाइयों का संकलन कर गुरुकुलों की भव्यता का उद्धार होगा एवं स्वायत्तता संरक्षित की जा सकेगी। वेदविद्या के बहुविध आयाम को जनमानस में प्रतिष्ठापित करने हेतु इस सम्मेलन से नई शक्ति का संचार किये जाने के उद्देश्य से विराट् गुरुकुल सम्मेलन आयोजित किया गया।

श्रौतयाग, वेद पाठशाला एवं गुरु-शिष्य-परम्परा इकाइयों के छात्रों द्वारा वेद अन्त्याक्षरी, विद्वानों के गवेषणात्मक व्याख्यान तथा वैदिक-परम्परा को संरक्षित कर संवर्धन करने वाले विद्वानों का सम्मान का भी आयोजन इस अवसर पर प्रतिष्ठान द्वारा किया गया।

इस भव्य समारोह में पूरे देश भर से विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, संस्कृतज्ञ, वैदिक विद्वान्, वेदपाठी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन के शुभारम्भ अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मोहन भागवत, परम पूज्य सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ; मुख्य अतिथि डॉ. प्रकाश जावडेकर जी, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री; अध्यक्षता श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश; पावन सान्निध्य पूजनीय स्वामी गोविन्ददेव गिरि जी; पूजनीय स्वामी राजकुमार दास जी; पूजनीय स्वामी संवित् सोमगिरि जी; विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्यपाल सिंह जी, माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री; श्री सुरेन्द्र पटवा, माननीय संस्कृति राज्यमंत्री, मध्यप्रदेश; डॉ. सच्चिदानन्द जोशी, माननीय अध्यक्ष, भारतीय शिक्षण मण्डल रहे। समापन सत्र में मुख्य वक्ता श्री सुरेश सोनी जी, माननीय सह सरकार्यवाह; अध्यक्षता आचार्य प्रो. रवीन्द्र मुळे, उपाध्यक्ष, मसांरावेविप्र ने की।

शासी परिषद् में वैदिक जगत् के लिए ऐतिहासिक निर्णय

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान की शासी परिषद् की बैठक जिसकी अध्यक्षता माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, डॉ. सत्यपाल सिंह जी ने की थी, बैठक में वैदिक परम्परा, वेदपाठियों वेदों के अध्ययन-अध्यापन, शोध कार्यों में लिप्त विद्वानों के मनोबल को बढ़ाने के लिये 16 पुरस्कारों को प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की थी। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री प्रकाश जावडेकर जी ने इस ऐतिहासिक निर्णय को स्वीकार करते हुए पुरस्कार के नामों की घोषणा की है जो निम्नलिखितानुसार हैं: –

अ) ऋग्वेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. महर्षि वेदव्यास पुरस्कार
2. आचार्य पैल पुरस्कार
3. सायणाचार्य पुरस्कार
4. महर्षि दयानन्द पुरस्कार

ब) यजुर्वेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. आचार्य वैशम्पायन पुरस्कार
2. योगीश्वर याज्ञवल्क्य पुरस्कार
3. मुनि भारद्वाज पुरस्कार
4. ऋषिका विश्ववारा पुरस्कार

स) सामवेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. आचार्य जैमिनि पुरस्कार

द).अथर्ववेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. आचार्य सुमन्तु पुरस्कार
2. आचार्य अथर्वाङ्गिरस पुरस्कार

युवा वेदपाठी (चारों वेदों के वेदपाठी आयु सीमा 40 वर्ष तक)

1. मुनि बोधायन पुरस्कार
2. मुनि कात्यायन पुरस्कार
3. ऋषिका गार्गी पुरस्कार
4. मुनि आश्वलायन पुरस्कार
5. पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी पुरस्कार

समितियों का गठन -

शैक्षणिक समिति

जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित सदस्य होंगे -
सचिव - अध्यक्ष,
पाँच वैदिक विद्वान् जो कि उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रों से एक-एक विद्वान्
एक आधुनिक विषय के विद्वान् भाषाओं का भी विशेषज्ञ हो,
एक शिक्षा विशेषज्ञ, प्रतिष्ठान अधिकारी संयोजक के रूप में रहेंगे।

परीक्षा समिति

जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित सदस्य होंगे -
सचिव- अध्यक्ष,
दो वेद पण्डित जो कि उत्तर एवं दक्षिण क्षेत्र के हो,
एक आधुनिक विषय के विद्वान् जो भाषा विशेषज्ञ भी हो,
परीक्षा नियन्त्रक - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, **एक शिक्षा विशेषज्ञ,** प्रतिष्ठान अधिकारी जो परीक्षा से सम्बद्ध हो संयोजक के रूप में रहेंगे।

प्रतिष्ठान द्वारा वेद संरक्षण हेतु आयोजित कार्यक्रम

1. वैदिक संग्रहालय (वैदिक जीवन से जुडे संग्रहालय)
2. ऋग्वेद शांखायन शाखा स्वर संरक्षण योजना
3. सामवेद शाखा संरक्षण योजना
4. शुक्लयजुर्वेद की माध्यन्दिन एवं काण्व शाखा संरक्षण योजना
5. वेद विज्ञान प्रदर्शनी (वेद-विज्ञान की संयुक्त प्रदर्शनी)
6. वैदिक स्वरप्रक्रिया कार्यशाला
7. वैदिक-वनौषधि-प्रात्यक्षिकी कार्यशाला
8. वैदिक गणित कार्यशाला
9. श्रौतप्रक्रिया कार्यशाला
10. यज्ञविद्या पर चिन्तन एवं श्रौतयाग
11. अग्निहोत्र दीक्षा का चित्राङ्कन

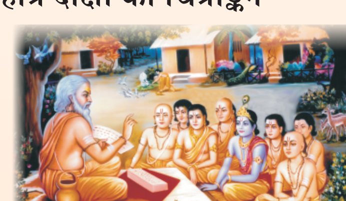

वेदों का पठन-पाठन समुचित रूप से सम्पन्न हो

अखिल भारतीय वेदवेदाङ्ग कार्यशाला का आयोजन

म.सां.रा.वे.वि.प्र. भारत भर में सञ्चालित वैदिक पाठशालाओं में कार्यरत वेद शिक्षकों तथा वेद विषय लेकर शोध (पीएच.डी.) करने वालों के लिए दिनांक 21 मार्च से 30 मार्च 2018 तक 'ऐतरेय भवन' में 'वेदवेदाङ्ग-कार्यशाला' (दशदिवसीय) का आयोजन किया गया जिसमें भारत के लब्ध प्रतिष्ठ विषय विशेषज्ञ, श्रौत-विद्वानों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की । कार्यशाला की शुभारम्भ-विधि तिरुपति वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति आचार्य प्रो. के.ई. देवनाथन् मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुई। विषयविशेषज्ञ के रूप में प्रतिष्ठान के पूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. केदारनाथ शुक्ल, संस्कृत, वेद तथा ज्योतिर्विज्ञान विभाग विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ.केदारनारायण जोशी, सिन्धिया प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. बालकृष्ण शर्मा, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन के आचार्य डॉ. सदानन्द त्रिपाठी, जयपुर के डॉ. ईश्वर भट्ट, प्रो. वासुदेव शर्मा, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेशचन्द्र पण्डा, उज्जैन का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा । समापन में पूर्व कुलपति डॉ. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी तथा डॉ. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी सोमनाथ द्वारकाधाम (गुजरात) ने सम्बोधित किया। विषय प्रवर्तन सचिव डॉ. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् द्वारा तथा आभार डॉ. अनूप मिश्र तथा सञ्चालन वेदाचार्य पं. कुञ्जबिहारी पाण्डेय ने किया।

वेद के महत्त्व को जनसामान्य तक पहुँचाने हेतु

वैदिक मन्त्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग

वेदों की शाखाएँ मौखिक-रूप से भारतवर्ष में प्रचलित हैं, परन्तु उनमें से कुछ शाखाएँ लुप्तप्राय हैं अतः उनका संरक्षण और संवर्धन होना अत्यधिक आवश्यक है। इन सभी शाखाओं का ज्ञान सभी को प्राप्त हो, इस हेतु से प्रस्तुत प्रकल्प में चारों वेद और उनकी निम्नलिखित शाखाओं के बारे में प्रचलित मौखिक परम्पराओं की परिचयात्मक डीवीडी तथा ई-पुस्तिका निर्माण की जाएगी। प्रत्येक डीवीडी प्रायः 1:30 घंटे की होगी।

ऋग्वेद	1. शाकल शाखा	2. शांखायन शाखा	
कृष्णयजुर्वेद	3. तैत्तिरीय शाखा	4. गद्यात्मक दक्षिण पद्धति	5. मैत्रायणी शाखा
शुक्लयजुर्वेद	6. माध्यन्दिन शाखा	7. काण्व शाखा (काशी-पद्धति)	8. काण्व शाखा (मद्र-पद्धति)
सामवेद	9. कौथुम शाखा	10. राणायनीय शाखा	11. जैमिनीय शाखा
अथर्ववेद	12. शौनक शाखा	13. पैप्पलाद शाखा	14. वेदाङ्ग पारायण

यज्ञ पात्र परिचय

वेदों में यज्ञ का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। यज्ञ में श्रौतसूत्रों की भूमिका प्रधान होती है। इन श्रौतयागों में यज्ञपात्रों का उपयोग किया जाता है। इन यज्ञपात्रों का परिचय तथा उनका विनियोग चित्रों के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही साथ दृक्-श्राव्य डीवीडी के और ई-पुस्तक के निर्माण द्वारा इस जानकारी को लोकसुलभ बनाने का प्रयत्न किया जायेगा।

मध्यप्रदेश में वेद अध्ययन, अध्यापन पर चिन्तन, मनन एवं मार्गदर्शन हेतु आयोजित

उज्जैन वेद सम्मेलन

उज्जैन वेद सम्मेलन का आयोजन दिनांक 27 से 29 मार्च 2018 को किया गया। वेद सम्मेलन के प्रथम दिन महायज्ञ काम्येष्टि अनुष्ठान का आयोजन किया गया। यज्ञ बहु सोमयाजी दीक्षित यज्ञेश्वर रंगनाथ महाराज सेलूकर गंगाखेड द्वारा सम्पन्न हुआ। यज्ञ के उपरान्त वैदिक संग्रहालय हेतु बहु सोमयाजी दीक्षित द्वारा प्रतिष्ठान को भेंट स्वरूप यज्ञपात्र प्रदान किये गये। इसके उपरान्त उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रो. रविन्द्र अम्बादास मुळे, विशिष्टातिथि सोमयाजी आचार्य सुधाकर दीक्षित (कुलकर्णी), मुख्यातिथि बहुत सोमयाजी दीक्षित यज्ञेश्वर रंगनाथ महाराज सेलूकर, विशिष्ट व्याख्याता डॉ. केदारनाथ शुक्ल मंचस्थ अतिथियों के हस्ते हुआ। ऋग्यजुस्सामाथर्ववेद शाखा स्वाध्याय के अन्तर्गत मध्यप्रदेश की ऋग्वेद अध्ययन एवम् अध्यापन-परम्परा चिन्तन सत्र में मुख्यातिथि श्री रामचन्द्र लोकरे ऋग्वेदाचार्य इन्दौर, विशिष्टातिथि पण्डित वासुदेव पुरोहित उज्जैन, पण्डित आनन्दशंकर व्यास उज्जैन, विशिष्ट व्याख्याता डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित उज्जैन एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र पण्डा उज्जैन ने किया।

दूसरे दिन वेदान्त्याक्षरी का आयोजन किया गया। इसके पश्चात् मध्यप्रदेश की यजुर्वेद अध्ययन एवम् अध्यापन-परम्परा विषय के चिन्तन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. बालकृष्ण शर्मा उज्जैन, विशिष्टातिथि डॉ. मोहन गुप्त उज्जैन, विशिष्ट व्याख्याता डॉ. सदानन्द त्रिपाठी उज्जैन एवं अध्यक्षता प्रो. केदारनारायण जोशी उज्जैन ने की। इसके पश्चात् द्वितीय सत्र में मध्यप्रदेश की सामवेद अध्ययन एवम् अध्यापन-परम्परा विषय के चिन्तन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी उज्जैन, विशिष्टातिथि श्री श्रीकृष्ण पळशकर इन्दौर, विशिष्ट व्याख्याता डॉ. विनायक पाण्डेय, इन्दौर, अध्यक्षता डॉ. देवकरण शर्मा उज्जैन द्वारा की गई। तीसरे दिन चिन्तन सत्र के अन्तर्गत मध्यप्रदेश की अथर्ववेद अध्ययन एवम् अध्यापन-परम्परा के अन्तर्गत मुख्यातिथि श्री विभाष उपाध्याय उज्जैन, विशिष्टातिथि डॉ. सन्तोष पण्ड्या उज्जैन, विशिष्ट व्याख्याता डॉ. नारायण होसमने जयपुर एवं अध्यक्षता प्रो. शीलसिन्धु पाण्डेय उज्जैन द्वारा की गई। समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. सत्यनारायण जटिया उज्जैन, विशिष्टातिथि प्रो. चिन्तामणि मालवीय उज्जैन, सारस्वत अतिथि श्री कृष्णकान्त शर्मा उज्जैन व श्री प्रदीप गुरु उज्जैन तथा अध्यक्षता प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपालु, सचिव मसांरावेविप्र उज्जैन द्वारा की गई।

वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाई के अध्यापकों के मानदेय में दोगुनी वृद्धि का निर्णय

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की महासभा की 24 वीं बैठक दिनांक 12 जुलाई 2017 को नई दिल्ली में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री प्रकाश जावडेकर जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में माननीय मानव संसाधन राज्य मंत्री, श्री महेन्द्र पाण्डेय जी भी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित हुए। बैठक में वेदों के अध्ययन अध्यापन को बढ़ाने एवं सुचारु रूप से चलाने हेतु विभिन्न मुद्दों पर निर्णय लिए गए कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं।

1.वैदिक व संस्कृत अध्ययन को आकर्षक बनाते हुए मौखिक परम्परा, वेदों के चिन्तन को आज के समयानुसार आगे बढ़ाने के लिये नई परियोजनाएँ तैयार करने का सुझाव दिया।

2.चारों वेदों का जिन भारतीय भाषाओं में अनुवाद उपलब्ध नहीं है उनका अनुवाद प्रतिष्ठान द्वारा कराया जाय।

3.महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेद-भूषण एवं वेद-विभूषण को मान्यता प्रदान करने हेतु एक बोर्ड के गठन के सन्दर्भ में प्रतिष्ठान के पाठ्यक्रम एवं 10 वीं व 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण कर छात्रों को मूलधारा से जोड़ने के लिये एक समिति गठित करने के लिये प्रतिष्ठान सचिव को अधिकृत किया जो अपनी रिपोर्ट मंत्रालय में प्रस्तुत करेंगे।

4.प्रतिष्ठान की पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा योजना में परिवर्तित दिशा-निर्देश (नियमावली) को स्वीकृत किया।

5.महासभा ने महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत अध्यापकों के मानदेय तथा छात्रों की छात्रवृत्ति, रख-रखाव छात्रवृत्ति सहित वर्तमान दर से द्विगुणित (100 प्रतिशत) करने की स्वीकृति प्रदान की।

6.अनुसंधान केन्द्र की स्थापना – एक अनुसंधान केन्द्र महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के परिसर में स्थापित होगा, जहाँ वेदों के प्रचार के लिए प्रकाशन, शोध कार्य, वीडियो रिकॉर्डिंग, वैदिक निर्देशिका और वैदिक संग्रहालय बनाया जाएगा।

7.प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन – महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के परिसर में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी।

8.वेद उत्सव का आयोजन– प्रतिष्ठान परिसर में वर्ष में एक बार वेद उत्सव मनाया जावेगा जिसके अ न्तर्गत वेदपाठ एवं वेद से सम्बन्धित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

9.महासभा ने सर्वसम्मति से प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय स्थापित कर प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की।

वेदविद्वज्जन परिचय-कोश

भारत वर्ष में वेदों की अनेक शाखाएँ तथा परम्पराएँ हैं। उन परम्पराओं के अधिकारी वैदिकजनों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके सम्पर्क इस प्रकल्प के द्वारा संकलित किये जायेंगे । प्राथमिक अवस्था में 250 वेदविद्वज्जनों का परिचय इसमें संग्रहीत किया जायेगा।

प्रतिष्ठान परिसर में स्थापित की जायेगी

महर्षि वेद व्यास की प्रतिमा

कृष्णद्वैपायन भगवान् वेदव्यास श्रीमन्नारायण के साक्षात् अवतार हैं। द्वापर तथा कलियुग के सन्धिकाल में अवतार ग्रहण करके आपने सर्वप्रथम यज्ञीयपरम्परा के अधिकारी भेद से अपौरुषेय वेदचतुष्टयी का विभाजन करके होता के लिये ऋग्वेद अध्वर्यु के लिये यजुर्वेद उद्गाता के लिये सामवेद तथा ब्रह्मा के लिये अथर्ववेद का निर्धारण किया।

वेदों के सनातनकाल तक संरक्षण की दृष्टि से आपश्री ने अपने शिष्यों को एक-एक वेद प्रदान किया। जिनके नाम पर प्रतिष्ठान पुरस्कार प्रदान करता है। प्रतिष्ठान परिसर में भगवान् वेदव्यास की आदमकद प्रतिमा की स्थापना प्रस्तावित है।

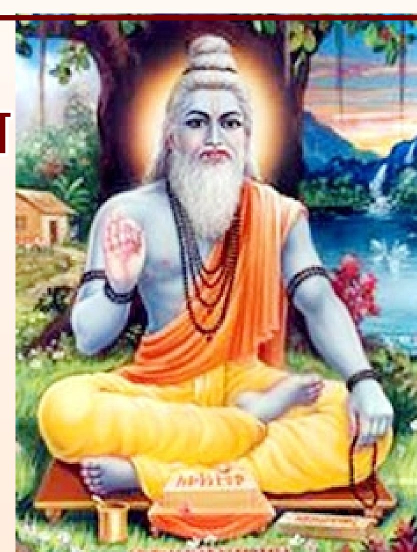

राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी एवं सम्मेलन सम्पन्न

संस्कृत विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधापुर में राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न-

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ एवं संस्कृत विभाग, जयनारायणव्यास विश्वविद्यालय तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में वेदरहस्योद्घाटक समीक्षाचक्रवर्ती पण्डित मधुसूदन ओझा की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में ''वेदभाष्यों पर चिन्तन'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी 23 एवं 24 जनवरी 2017 को आयोजित की गई।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद असम में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न-

अखिल भारतीय साहित्य परिषद असम तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन 28 से 30 जनवरी 2017 को आयोजित किया गया।

कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय नलबारी असम में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न-

कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन विद्या विश्वविद्यालय नलबरी (असम) तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 9 फरवरी 2017 से 11 फरवरी 2017 तक ''वेद : प्राच्य ज्ञान प्रणाली का स्त्रोत'' विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

पुण्यश्लोका अहिल्या संस्कृत इन्दौर में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न-

पुण्यश्लोका अहल्या संस्कृत संस्थान, इन्दौर तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी 17 से 19 फरवरी 2017 को आयोजित की गई।

श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेदमीमांसा अनुसन्धान केन्द्र, वाराणसी में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न-

श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेदमीमांसा अनुसन्धान केन्द्र तथा ज्ञान-प्रवाह सांस्कृतिक अध्ययन एवं शोध केन्द्र वाराणसी तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी 24 से 26 फरवरी 2017 को आयोजित की गई।

श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नईदिल्ली में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न-

वेदों में वैज्ञानिक तथ्यों का चिन्तन विषय पर श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी 24 से 26 मार्च 2017 को आयोजित की गई।

महर्षि भारद्वाज वेद वेदांग विद्यालय इलाहाबाद में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न-

महर्षि भारद्वाज वेद वेदांग विद्यालय, इलाहाबाद एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 03 से 05 फरवरी 2017 को आयोजित किया गया।

श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला मांजुली जोरहाट असम में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

श्री श्री रामानन्द देव गोस्वामी संस्कृत वेद पाठशाला, मांजुली, जोरहाट असम एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 26 से 28 फरवरी 2017 को आयोजित किया गया।

श्री गुरुशंकराचार्य वेद विद्यालय समिति सोणितपुर असम में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

श्री गुरुशंकराचार्य वेद विद्यालय समिति, सोणितपुर असम एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 17 से 19 मार्च 2017 को आयोजित किया गया।

श्रीनगर में शंकर जयन्ती महोत्सव के अवसर पर वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य स्वामीगल, कांचीपुरम एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में श्रीनगर काश्मीर में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 23 से अप्रैल 2017 को आयोजित किया गया।

अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन

अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, हुगली, पश्चिम बंगाल एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के

संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 30.09.2017 से 06.10.2017 तक वेदज्ञान सप्ताह आयोजित किया गया।

श्री गोपालजीऊ वेद पाठशाला, धारपुर, माहाँगा, कटक, ओडिशा में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

श्रीगोपालजीऊ वेद पाठशाला, धारपुर, माहागा, कटक एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 12 से 25 दिसम्बर 2017 को आयोजित किया गया।

संस्कृतभारती, मालवा-प्रान्तः इन्दौर द्वारा वेद एवं संस्कृत कार्यशाला आयोजित

संस्कृतभारती, मालवा-प्रान्तः इन्दौर एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रतिष्ठान परिसर उज्जैन में वेद एवं संस्कृत विषय पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण वर्ग (वेद एवं संस्कृत कार्यशाला) दिनांक 24 से 29 दिसम्बर 2017 को आयोजित की गई।

श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय वेरावल तथा सन्तश्री सन्ध्यागिरी बापू संस्कृत वेद विद्यालय एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय वेदसंगोष्ठी सम्पन्न

श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय वेरावल तथा सन्तश्री सन्ध्यागिरी बापू संस्कृत वेद विद्यालय एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वेदसंगोष्ठी दिनांक 11 से 13 सितम्बर 2017 को 'कर्मकाण्ड एवं संस्कार विज्ञान' विषय पर सन्ध्यागिरी बापु संस्कृत वेद विद्यालय, सामख्याली, कच्छ, गुजरात में आयोजित हुई।

श्री माणिकप्रभु संस्थान, माणिकनगर में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

श्री माणिकप्रभु संस्थान, माणिकनगर एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 14 से 16 नवम्बर 2017 को आयोजित किया गया।

श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी, द्वारका में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी, द्वारका एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन दिनांक 27 से 29 अगस्त 2017 को आयोजित किया गया।

वर्ष 2018-19 के प्रतिष्ठान के सहयोग से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सूची

अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन

1.	श्री ब्रह्मावेद विद्यालय संचालित श्री शीतल दास सेवा ट्रस्ट बी 1/88, अस्सी वाराणसी (उ.प्र.) 221005	03 से 05 नवम्बर 2018
2.	प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठानम् असम कामरुप (मेट्रो) गुवाहाटी 781016	1 7 - 19 अगस्त 2018

क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

1.	अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ दिल्ली (पंजी.) शाखा – थान्दला जिला झाबुआ (म.प्र.) 457777	11 - 13 जनवरी 2019
2.	आचार्य अभयदेव वेद गुरुकुलम, चरथावल पश्चिमी (उ.प्र.)	26 - 28 अक्टूबर 2018
3.	स्वामी गोविंददेव गिरि वेद संस्कृत पाठशाला, विजय श्री हनुमान संस्कार केन्द्र खंधा रोड वाघोडिया जिला बडोदरा (गुजरात) 391760	22 - 24 दिसम्बर 2018
4.	श्रीमन्मध्वसिद्धान्तप्रबोधिनीसंस्कृत – स्नातकोत्तरकेन्द्रम् , उडुपि पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम् , पेजावर मठ एवं राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठानम् के संयुक्त आयोजन में	
5.	वेद विद्यालयः केन्दुझर सिधमठ, पुरुणाबाजार केन्दुझर 758002ए ओडिशा	29-30 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2018

अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी

1.	श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेदमीमांसा अनुसन्धान केन्द्र बी 4/7 ए, हनुमानघाट, वाराणसी 221001	
2.	कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक के.के. संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रशासनिक भवन, सीतावाडी मुदा रोड, रामटेक 441106	28 - 29 सितम्बर 2018
3.	श्री जयेन्द्र सरस्वती आयुर्वेद कालेज एवं हास्पिटल, नजाराथपेट 600123 चैन्नई	24 - 26 अक्टूबर 2018
4.	Shri Virendra Alankar, Dayanand Chair for Vedic studies, Panjab University, Candigarh.	15 - 16 नवम्बर 2018

5. Veda Vijnana Gurukulam Veda-Vijnana Shodhasamsthana (R) (Recognized by Karnatak Samskrita University)
6. भारतीय सांस्कृति संबंध परिषत्, विदेश मन्त्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त आयोजन में संगोष्ठी
7. प्रो. विनोद कुमार शर्मा, कुलसचिव,गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार — 25 - 27 फरवरी 2019

वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

1. श्री गोपालजीऊ वेद पाठशाला ग्रामः धारपुर पो. माहांगा जिला कटक ओडिशा 754206
2. Social Organization for Voluntary Action Sova at. Po.- Raj Ranpur, Dist-Nayagarh, Odisha 752026 — 3 से 9 सितम्बर 2018
3. AmitranjanSankaribalaVedavidyaMandir ,P.O. Fului-712122, Dt. Hooghly (W.B) — 1 से 7 अक्टूबर 2018
4. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पी.जी. टीचिंग डिपार्टमेंट वेद, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार पुरी 752003 ओडिशा — 15 - 22 सितम्बर 2018
5. नालंदा विश्वविद्यालय में वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन
नालंदा विश्वविद्यालय में अन्तर् राष्ट्रीय स्तर की अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए वहाँ वैदिक परम्परा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से वेद ज्ञान सप्ताह समारोह प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित करने के लिये प्रतिष्ठान सचिव को अधिकृत किया गया

सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ

1. राकावत देशस्थ ऋग्वेदी ब्राह्मण महासभा (संस्था) ऋग्वेदी ब्राह्मण गायत्री मंदिर, गोगा गेट के बाहर बीकानेर 334001 (राज.) — 15 सितम्बर 2018 से
2. डॉ. राम मूर्ति प्रसाद मिश्रा गीता संस्कृत महाविद्यालय ग्राम हरेहु पोस्ट बलुआ गाजीपुर वाराणसी 221201 — 2 मार्च 2019 तक
3. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पी.जी. टीचिंग डिपार्टमेंट वेद, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार पुरी 752003 — 27 सितम्बर 2018 से 27 अक्टूबर 2018 तक
4. आदर्श सेवा संस्थान, ग्राम डीह, अशोकपुर चाचू सराय, पो. सिरोंलीकलां, बाराबंकी (उ.प्र) — 2 अगस्त 2018 से 31 मार्च 2019 तक
5. AmitranjanSankaribalaVedavidyaMandir ,P.O. Fului-712122, Dt. Hooghly (W.B) — 15 जुलाई 2018

सभी विद्यालयों, गुरुशिष्य परम्पराओं एवं अन्य वैदिक संस्थाओं एवं विद्वानों से अनुरोध है कि, प्रत्येक माह के दिनांक 20 से पूर्व वेदवार्ता में प्रकाशनार्थ अपनी सूचनाएँ, वेद विषयक कार्यक्रम एवं अध्यापक तथा छात्रों द्वारा स्वरचित हिन्दी लेख/कविताएँ, समाचार सचित्र प्रेषित करें।

वेदविद्या के प्रचार एवं प्रसार हेतु विभिन्न योजनाएँ

वेद-सन्देश यात्रा योजना

वेदविद्या के प्रचार एवं प्रसार हेतु देश के विभिन्न भागों में अपौरुषेय वेदों में निहित समस्त मानव-कल्याणकारी सन्देशों को पहुँचाने के लिए 'वेद-सन्देश यात्रा' योजना का सूत्रपात किया गया है। इस योजना में प्रतिवर्ष दस लाख रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। वैदिक विद्वान् एवम् उनके सुयोग्य शिष्यों -छात्रों को निर्धारित सम्भावना राशि के साथ इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। कुछ समय पश्चात् इसकी पूर्ण सूचना प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

वेदपारायण योजना

इस योजना के अन्तर्गत जो वैदिक विद्वान् अपने अभीष्ट स्थानों पर नियमित वेदपारायण करेंगे। उन्हें इसके लिए निर्धारित सम्भावना राशि का लाभ प्राप्त होगा। इस योजना की सम्पूर्ण जानकारी निकट भविष्य में प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जायेगी।

वेदार्थ पाठशाला योजना

इस योजना के अन्तर्गत वेदभाष्यों का अध्ययन कराने हेतु एक वेदाध्यापक के अन्तर्गत न्यूनतम दस छात्रों को अध्ययन कराने की योजना सम्भावित है। इसकी सम्पूर्ण जानकारी निकट भविष्य में प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जायेगी।

माननीय मन्त्री सत्यपालसिंह जी के साथ प्रतिष्ठान परिवार

शहीद दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए

अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारी तथा कर्मचारी योगाभ्यास करते हुए।

वर्ष 2018 में आधुनिक विषय की परीक्षा सम्पन्न करते हुए छात्र।

वर्ष 2018 में वेद की मौखिक परीक्षा देते हुए वेद-विभूषण छात्र।

15 अगस्त 2018 को स्वतन्त्रता दिवस अवसर पर भाषण देते हुए अतिथि प्रो. श्रीधर अडी जी

स्वतन्त्रता दिवस अवसर पर प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए माननीय सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् जी

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रो. प्रेमलता चुटेल हिन्दी विभागाध्यक्ष विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

प्रतिष्ठान के माननीय सचिव महोदय के साथ प्रतिष्ठान परिसर में पौधारोपण करते हुए वेदाध्यापक एवं प्रतिष्ठान के कर्मचारीगण

योगदिवस के अवसर पर प्रतिष्ठान के माननीय सचिव महोदय के साथ योग करते प्रतिष्ठान के समस्त अधिकारी तथा कर्मचारी

प्रतिष्ठान परिसर में पौधारोपड करते हुए माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री डॉ. सत्यपाल सिंह साथ में प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र मुळे तथा प्रतिष्ठान के माननीय सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्

वेद विद्या को समर्पित प्रतिष्ठान का

32 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया

दिनांक 10 अगस्त 1987 श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को भारत सरकार द्वारा वैदिक अध्ययन-अध्यापन की मौखिक परम्परा को संरक्षित, संवर्धित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठान की स्थापना की गई थी। प्रतिष्ठान परिसर में दिनांक 26 अगस्त को श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को 32 वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर चतुर्वेद पाठ, मेधावी छात्रों को प्रमाण-पत्र तथा वरेण्य विद्वानों द्वारा आशीर्वचन दिये गये। कार्यक्रम में श्री विभाष उपाध्याय, माननीय सदस्य श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर प्रबन्ध समिति, उज्जैन, प्रो. रमेशचन्द्र पण्डा, कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, सारस्वतातिथि पद्मश्री डॉ. केशवराव सदाशिवशास्त्री मुसळगांवकर, प्रो. रविन्द्र अम्बादास मुळे, प्रतिष्ठान उपाध्यक्ष उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री से विभूषित डॉ. केशवराव सदाशिवशास्त्री मुसलगांवकर उज्जैन को सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में वेद विभूषण प्राविण्य सूची में आए छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। साथ ही श्रावणी उपाकर्म का भी आयोजन किया गया।

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेद पाठशालाओं एवं वित्त पोषित गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों में अध्यापनरत सभी अध्यापकों के मानदेय एवं वित्त पोषित छात्रों की छात्रवृत्ति में दोगुनी वृद्धि की स्वीकृति प्रदान कर दी है। सभी वैदिक भारत सरकार के प्रति माननीय मंत्री महोदय एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष के प्रति अधिकारियों के प्रति अत्यन्त हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

प्राच्यविद्या संस्कृत प्रतिष्ठान गुवाहाटी में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न

दिनांक 17 से 19 अगस्त 2018 को उत्तरपूर्वी राज्य में प्रतिष्ठान तथा प्राच्यविद्या संस्कृत प्रतिष्ठान गुवाहाटी, असम के संयुक्त तत्त्वावधान में गुवाहाटी में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। असम सरकार के शिक्षा मन्त्री श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता असम राज्य के पर्यटन मन्त्रालय के अध्यक्ष श्री जयन्त मल्ल बरूवा जी ने किया। मुख्य अतिथि वेदविद्या प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. रविन्द्र मुळे जी थे। सारस्वत अतिथि के रूप में कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक कुमार शर्मा जी थे। इस प्रकार त्रि-दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजली अर्पित की गई।

राजाभाषा में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु पुरस्कार

राजभाषा में श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन के लिए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन को भारत सरकार राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2018 को मुम्बई में मध्य क्षेत्र क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार वर्ष 2016-17 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

वेद विद्या प्रतिष्ठान का भावी दृष्टि-पथ

1. महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के वेदभूषण एवं वेद-विभूषण पाठ्यक्रमों को मान्यता प्राप्त करना –

प्रतिष्ठान वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा योजना के माध्यम से वेद-भूषण (5 वर्ष) तथा वेद-विभूषण अतिरिक्त (2 वर्ष) कुल 7 वर्षों का वेदाध्ययन पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम के 5 वर्षीय वेद-भूषण अध्ययन पूर्ण करने पर स्कूली शिक्षा के 10 वीं समतुल्य तथा 2 वर्षीय वेद-विभूषण पूर्ण करने पर स्कूली शिक्षा के 12 वीं के समतुल्य माना जाता है। प्रतिष्ठान के इस पाठ्यक्रम को 10 वीं एवं 12 वीं के समतुल्य मान्यता प्रदान करने के लिए मामला मंत्रालय में विचाराधीन है।

2. संगठन ज्ञापन (MOA), भर्ती नियम, सेवा नियमों में भविष्योत्तर अनुकूल संशोधन तथा पद सृजन –

प्रतिष्ठान में नियमित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बहुत ही कमी है। प्रतिष्ठान के बढ़े हुए बजट को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक एवं वित्त सम्बन्धी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आवश्यकता है। प्रतिष्ठान की महासभा की बैठक माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित की गई थी, जिसमें कुछ पदों का सृजन करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी, परन्तु प्रतिष्ठान के सृजित पद एवं रिक्त पदों पर सेवा नियमों में संशोधन के पश्चात् ही भर्ती की जा सकती है। मामला मंत्रालय में विचाराधीन है।

3. भारत वर्ष में नवीन गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों को प्रारम्भ करना –

प्रतिष्ठान की गुरुशिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत वेदाध्ययन की मौखिक परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन किये जाने की महत्त्वपूर्ण योजना है। पूरे भारत वर्ष से योजना में सम्मिलित होने के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिष्ठान को नई गुरुशिष्य इकाइयों को प्रारम्भ करने की स्वीकृति की आवश्यकता है।

4. अन्तर्राष्ट्रीय वेद विद्या केन्द्र –

भारत मूल के अनिवासीय भारतीय भारत के बाहर 3 करोड़ से ज्यादा की संख्या में है। उन्हें वेद अध्ययन से जोड़ना, प्रतिष्ठान में उन्हें पठन-पाठन की सुविधा उपलब्ध कराना।

5. प्रतिष्ठान परिसर में आडिटोरियम ध्यान मण्डप एवं यज्ञशाला निर्माण –

प्रतिष्ठान परिसर में आने वाले वेद पाठियों, वैदिक विद्वानों के लिए आडिटोरियम, ध्यान मण्डप एवं यज्ञशाला निर्माण कराना।

6. भारत के प्रत्येक जनपद में वसंत वेद शिविर एवं वैदिक संस्कृति शिविर का आयोजन करना।

वेदों के प्रचार प्रसार को ध्यान में रखते हुए वंसत वेद शिविर एवं वैदिक संस्कृति शिविर का आयोजन प्रत्येक जनपद में कराना।

प्रेषक / From

महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रिय-वेदविद्या-प्रतिष्ठानम्
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN
(भारतशासनस्य मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयेन संस्थापितम्)
(Established under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Vadvidya Marg, Chintaman Ganesh, Post. Jawasia, Ujjain 456006 (M.P.)
Phone : (0734) 2502266,2502254, Fax : (0734) 2502253
E-mail : msrvvpujn@gmail.com, website - www.msrvvp.ac.in

सेवा में / To, **Book-Post**